राष्ट्रीय हिंदी दिवस – 2025

हिंदी दिवस

आईआईएम के 'साहित्य संवाद' में देश के प्रख्यात लेखक आए

हिंदी समृद्ध व वैज्ञानिक भाषा, इसमें सभी बोलियों का समावेश

सिटी रिपोर्टर • रांची

आईआईएम रांची में हिंदी दिवस के अवसर पर 'साहित्य संवाद 2025' का आयोजन हुआ, जिसमें देश के जाने-माने साहित्यकारों और लेखकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा के महत्व और उसके बढ़ते वैश्विक प्रसार पर चर्चा करना था। निदेशक प्रो. दीपक श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अतिथि वक्ता के रूप में प्रसिद्ध कथाकार दिव्य प्रकाश दुबे, सत्य व्यास और पंकज मित्र शामिल हुए। प्रो. दीपक श्रीवास्तव ने युवाओं की हिंदी लेखनी में बढ़ती भागीदारी की सराहना की और प्रबंधन के छात्रों को समझाया कि जमीनी हकीकत को समझने के लिए हिंदी भाषा कितनी कारगर है। उन्होंने कहा कि आज के समय में हिंदी की अहमियत तीन कारणों से बढ़ गई है: पहला, यह जनमानस से जुड़ने का एक सरल माध्यम है; दूसरा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषियों की संख्या लगातार बढ़ रही है; और तीसरा, यह विविधता में एकता का प्रतीक है।

कथाकार दिव्य प्रकाश, सत्य व्यास, पंकज मित्र व अन्य।

संवाद स्थापित करने के लिए हिंदी श्रेष्ठ

साहित्य संवाद का संचालन प्रो. सत्यम ने किया, जिन्होंने प्रबंधन के क्षेत्र में हिंदी की उपयोगिता पर चर्चा की। इस दौरान, दिव्य प्रकाश दुबे ने कहा कि एक सफल प्रबंधक को लोगों से संवाद स्थापित करना आना चाहिए, और इसके लिए हिंदी से बेहतर कोई और भाषा नहीं हो सकती। सत्य व्यास ने छात्रों को हिंदी के शब्दों से दोस्ती करने और अपनी बोली में नयापन लाने की सलाह दी। पंकज मित्र ने हिंदी को एक आत्मीय भाषा बताते हुए कहा कि प्रबंधन के छात्र मानव संसाधन को समझने और विभिन्न पेशे के लोगों के साथ काम करने के लिए हिंदी को एक 'ढाल' के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को लेखन के क्षेत्र में आगे आने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अच्छी कहानी लिखने के लिए भाषा पर पकड़ होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि कहानी लिखना शुरू करने से पहले उसका अंत तय कर लें।

कविता पाठ में अली प्रथम

राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर संस्थान की लाइब्रेरी में एक विशेष हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी भी लगाई गई। कविता पाठ प्रतियोगिता में अली आज़ाद प्रथम, सीमा कुमारी द्वितीय व अनमोल रोशन कुजूर तृतीय हुए। संस्थान में लगातार हिंदी भाषा का उपयोग करने वाले कर्मचारी मिथिलेश प्रसाद सिंह को 'हिंदी सेवा' का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर विद्यार्थियों, प्राध्यापकों व कर्मचारी मौजूद थे।

Dainik Bhaskar_16.09.2025_P. 5

हिंदी समृद्ध भाषा, इसमें है सभी बोलियों का समावेश

- हर स्तर के व्यक्ति से सहज संवाद का माध्यम है हिंदी
- आइआइएम के साहित्य संवाद में हिंदी के प्रसार पर हुई चर्चा

हिंदी दिवस समारोह में शामिल निदेशक व अन्य • जागरण

जासं, रांची : आइआइएम रांची के राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से रविवार को राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर साहित्य संवाद 2025 का संचालन हुआ। इसमें बतौर अतिथि वक्ता साहित्यकार एवं कथाकार दिव्य प्रकाश दुबे, सत्य व्यास और पंकज मित्र शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता आइआइएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक श्रीवास्तव ने की। स्वागत संबोधन में निदेशक ने समकालीन हिंदी लेखनी में युवाओं की भागीदारी की सराहना की। साथ ही आज के समय में राजभाषा हिंदी की अहमियत के तीन कारण दिए। उन्होंने प्रबंधन के छात्रों को हिंदी कैसे जनमानस की भाषा के साथ सहज संवाद का माध्यम है, से रू-ब-रू कराया। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार बढ़ रही हिंदी भाषियों की संख्या को विविधता में समानता का रूप बताया। वहीं, वैश्विक दौर में आगे बढ़ने के लिए हिंदी के साथ क्षेत्रीय भाषा को सीखने के लिए प्रेरित किया।

हिंदी को अपनाएं, अंग्रेजी का कौशल जानें : साहित्य संवाद का संचालन प्रो. सत्यम ने किया। उन्होंने वक्ताओं से प्रबंधन के क्षेत्र में हिंदी की उपयोगिता और महत्व पर चर्चा का संचालन किया। इस पर दिव्य प्रकाश ने कहा प्रबंधक बनने के बाद जमीनी हकीकत को समझने के लिए लोगों से संवाद स्थापित करना आवश्यक है, इसमें हिंदी भाषा कारगर है। सत्य व्यास ने विद्यार्थियों को हिंदी के शब्दों से दोस्ती करने और बोली में नयापन लाने की बात कही। वहीं, पंकज मित्र ने हिंदी को आत्मीय भाषा बताया, कहा कि प्रबंधन के छात्र मानव संसाधन को समझने और विभिन्न पेशे के लोगों से काम लेने के लिए हिंदी भाषा को अपनी ढाल बना सकते हैं।

कहानी लिखना शुरू करने से पहले उसका अंत तय करें : वक्ताओं ने विद्यार्थियों को लेखनी के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि लिखने के लिए भाषा पर पकड़ बनाना आवश्यक है। वक्ताओं ने कथा कहानी लिखने के लिए पहले अपनी रचना से कहानी का अंत तय करने और उसे डायरी के अंत में लिखने की बात कही, इसके बाद पहले पन्ने पर लौट कहानी को नए स्वरूप में पिरोने की कोशिश करने की बात की। इससे अच्छी रचना को आकार देने में कारगर सिद्ध होंगे।

प्रतियोगिता के विजेताओं को मिला सम्मान, हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी भी लगाई गई : राष्ट्रीय हिंदी दिवस पर संस्थान के लर्निंग रिसोर्स सेंटर (लाइब्रेरी) में हिंदी पुस्तकों की एक विशेष प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें हिंदी साहित्य के विभिन्न प्रकाशकों की पुस्तकों से विद्यार्थी रू-ब-रू हुए। कार्यक्रम में दूसरे सत्र में हिंदी पखवाड़ा के तहत आयोजित कविता पाठ प्रतियोगिता का संचालन हुआ।

विश्व हिंदी कविता प्रतियोगिता 2025 में टीआरएल के लेक्चरर डा. बीरेंद्र महतो को दिया गया सम्मान

जागरण संवाददाता, रांची : झारखंड के कवि और युवा साहित्यकार डा. बीरेंद्र कुमार महतो गोतिया को हिंदी दिवस पर रविवार को सम्मानित किया गया। नेपाल की संस्था शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउंडेशन द्वारा आयोजित विश्व हिंदी कविता प्रतियोगिता-2025 में डा. महतो की उत्कृष्ट कविता के आधार पर उन्हें विश्व हिंदी रत्न मानद उपाधि सम्मान से नवाजा गया। इस प्रतियोगिता में अमेरिका, आफ्रीका, नेपाल और भारत के 20 राज्यों से 6845 प्रतिभागियों ने भाग लिया, इनमें से 265 कवि-कवयित्रियों का चयन किया गया। डा. महतो रांची विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर नागपुरी विभाग में सहायक प्राध्यापक हैं। उन्होंने नागपुरी भाषा के साथ-साथ हिंदी विषय में मूल्यपरक लेखन, अध्ययन और अध्यापन को प्राथमिकता दी है। उनके प्रयासों से विद्यार्थियों का सुसंस्कृत और सक्रिय व्यक्तित्व का विकास हुआ है। उनकी कई रचनाएं देश-विदेश की विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं। नागपुरी शिक्षण, झारखंडी लोक कला और हिंदी शिक्षण को प्रगतिशील बनाने

डा. बीरेंद्र कुमार महतो • जागरण

के लिए उन्हें कई राष्ट्रीय सम्मान भी प्राप्त हुए हैं। सम्मान ग्रहण करते हुए डा. महतो ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय संस्था द्वारा कवियों की कविता का मूल्यांकन होना गर्व की बात है। शब्द प्रतिभा ने निष्ठा और लगन से देश-विदेश के कवियों और साहित्यकारों को प्रोत्साहित किया है, जो प्रशंसनीय है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की संख्या से यह स्पष्ट है कि साहित्य के प्रति रुचि बढ़ रही है। संस्था के अध्यक्ष आनंद गिरि मायालु ने डा. महतो की बहुआयामिक प्रतिभा की सराहना की। इस उपलब्धि पर डा. रीझू नायक, सीमा देवी, वासुदेव महतो आदि ने उन्हें बधाई दी है।

Dainik Jagran_15.09.2025_P. IV

आईआईएम रांची के साहित्य संवाद कार्यक्रम में हिंदी के प्रचार-प्रसार पर हुआ विमर्श

हिंदी हर स्तर के व्यक्ति से सहज संवाद का माध्यम: प्रो. श्रीवास्तव

हिंदी दिवस

रांची, विशेष संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची के राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से रविवार को राष्ट्रीय हिंदी दिवस पर 'साहित्य संवाद-2025' का आयोजन किया गया। इसमें कथाकार दिव्य प्रकाश दुबे, सत्य व्यास और पंकज मित्र अतिथि वक्ता के रूप में शामिल हुए। संस्थान के निदेशक प्रो. दीपक श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

परिचर्चा की शुरुआत करते हुए प्रो. दीपक श्रीवास्तव ने समकालीन हिंदी लेखन में युवाओं की भागीदारी की सराहना की। उन्होंने आज के समय में राजभाषा हिंदी की अहमियत के तीन कारण बताए। उन्होंने प्रबंधन के विद्यार्थियों को समझाया कि हिंदी किस तरह जनमानस की भाषा के साथ-साथ सहज संवाद का माध्यम है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार बढ़ रही हिंदी भाषियों की संख्या को विविधता में समानता का रूप बताया। इसके साथ ही, उन्होंने विद्यार्थियों को हिंदी के अलावा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को भी सीखने के लिए प्रेरित किया।

वक्ताओं ने विद्यार्थियों को लेखन के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि लिखने के लिए भाषा पर पकड़ बनाना जरूरी है।

वक्ताओं ने कथा-कहानी लिखने के लिए कुछ सुझाव दिए जैसे पहले अपनी रचना से कहानी का अंत तय करें और उसे डायरी के अंत में लिखें, फिर पहले पन्ने पर लौटकर कहानी को नए स्वरूप में पिरोने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि यह अच्छी रचना को आकार देने में कारगर सिद्ध होगा।

इस अवसर पर संस्थान के लर्निंग रिसोर्स सेंटर में हिंदी पुस्तकों की एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें विद्यार्थी हिंदी साहित्य के विभिन्न प्रकाशकों की पुस्तकों से रूबरू हुए। दूसरे सत्र में हिंदी पखवाड़े के तहत आयोजित कविता पाठ प्रतियोगिता का संचालन हुआ। संस्थान के कर्मियों ने हिस्सा लिया। अली आजाद प्रथम, सीमा कुमारी द्वितीय और अनमोल रोशन कुजूर तृतीय विजेता चुने गए। वहीं, संस्थान में लगातार हिंदी भाषा का उपयोग करके काम करने वाले कर्मी मिथिलेश प्रसाद सिंह को 'हिंदी सेवा' का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों के साथ प्राध्यापक और शिक्षणेतर कर्मी भी उपस्थित थे।

आईआईए में रविवार को विद्यार्थियों को संबोधित करते कथाकार दिव्य प्रकाश दुबे। संस्थान के निदेशक प्रो. दीपक श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

'संवाद स्थापित करने में हिंदी भाषा बेहद कारगर'

प्रो. सत्यम ने प्रबंधन के क्षेत्र में हिंदी की उपयोगिता और महत्व पर चर्चा की। दिव्य प्रकाश दुबे ने कहा कि प्रबंधक बनने के बाद, जमीनी हकीकत को समझने के लिए लोगों से संवाद स्थापित करना बहुत जरूरी है, और इसमें हिंदी भाषा कारगर है। सत्य व्यास ने विद्यार्थियों को हिंदी के शब्दों से दोस्ती करने और अपनी बोली में नयापन लाने की बात कही। वहीं, पंकज मित्र ने हिंदी को आत्मीय भाषा बताया और कहा कि प्रबंधन के छात्र मानव संसाधन को समझने और विभिन्न पेशे के लोगों से काम लेने के लिए हिंदी भाषा को अपनी ढाल बना सकते हैं।

रांची प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय में कवि गोष्ठी

रांची। हिंदी दिवस पर रविवार को प्रमंडलीय राजभाषा कार्यालय की ओर से आयुक्त कार्यालय सभागार में कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र मुख्य अतिथि एवं उप विकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवनिया, अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार, आयुक्त के सचिव आलोक कुमार और उप निदेशक राजभाषा संजीव कुमार विशिष्ट अतिथि थे। अंजनी कुमार मिश्र ने कहा कि हिंदी देश की एकता का सूत्र है और इसे रोजगार से जोड़ने की आवश्यकता है। उप विकास आयुक्त भुवनिया ने कविता के माध्यम से भाषा की महत्ता बताई, वहीं एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि लोगों को जोड़ने का माध्यम है। कवियों ने हिंदी के महत्व पर कविताएं प्रस्तुत की।

Hindustan_15.09.2025_P.4

हर स्तर के व्यक्ति से सहज संवाद का माध्यम है हिंदी : निदेशक

आइआइएम रांची में 'साहित्य संवाद–2025 में शामिल लोग.

रांची. आइआइएम रांची के राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से रविवार को राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर साहित्य संवाद 2025 का आयोजन किया गया. अतिथि साहित्यकार और कथाकार दिव्य प्रकाश दुबे, सत्य व्यास और पंकज मित्र थे. अध्यक्षता निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने की. उन्होंने कहा कि हिंदी हर स्तर के व्यक्ति से सहज संवाद का माध्यम है और युवाओं की भागीदारी हिंदी लेखन को नयी दिशा दे रही है. दिव्य प्रकाश ने प्रबंधन छात्रों को जमीनी हकीकत समझने के लिए हिंदी में संवाद को जरूरी बताया. सत्य व्यास ने विद्यार्थियों को हिंदी के शब्दों से दोस्ती करने और बोली में नयापन लाने की सलाह दी. वहीं पंकज मित्र ने हिंदी को आत्मीय भाषा बताते हुए कहा कि प्रबंधन क्षेत्र में मानव संसाधन को समझने और अलग-अलग पेशों से काम लेने में हिंदी उपयोगी साबित होती है. वक्ताओं ने विद्यार्थियों को लेखन की ओर प्रेरित किया. सुझाव दिया कि कहानी लिखने से पहले उसका अंत तय कर लेना चाहिए, इससे रचना अधिक प्रभावशाली बनती है. हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी भी लगायी गयी. दूसरे सत्र में कविता पाठ प्रतियोगिता हुई.

Prabhat Khabar_15.09.2025_P. 4

हिंदी समृद्ध भाषा, कारण इसमें मिलता है सभी बोलियों का समावेश

हर स्तर के व्यक्ति से सहज संवाद का माध्यम है हिंदी : प्रो. दीपक

आईआईएम रांची के साहित्य संवाद 2025 में हिंदी के प्रसार पर चर्चा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। आईआईएम रांची के राजभाषा प्रकोष्ठ कि ओर से राष्ट्रीय हिंदी दिवस के मौके पर 'साहित्य संवाद 2025' का संचालन रविवार को हुआ। इसमें बतौर अतिथि वक्ता साहित्यकार एवं कथाकार दिव्य प्रकाश दुबे, सत्य व्यास और पंकज मित्र शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईएम रांची के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने की। स्वागत संबोधन में प्रो दीपक ने समकालीन हिंदी लेखनी में युवाओं की भागीदारी की सराहना की। साथ ही आज के समय में राजभाषा हिंदी की अहमियत के तीन कारण दिए। उन्होंने प्रबन्धन के छात्रों को हिंदी कैसे जनमानस की भाषा के साथ सहज संवाद का माध्यम है, से रूबरू कराया। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार बढ़ रही हिंदी भाषियों की संख्या को विविधता में समानता का रूप बताया। वहीं, वैश्विक दौर में आगे बढ़ने के लिए हिंदी के साथ क्षेत्रीय भाषा को सिखने के लिए प्ररित किया।

साहित्य संवाद का संचालन प्रो सत्यम ने किया। उन्होंने वक्ताओं से प्रबंधन के क्षेत्र में हिन्दी की उपयोगिता और महत्व पर चर्चा का संचालन किया। इसपर दिव्य प्रकाश ने कहा कि प्रबंधक बनने के बाद, जमीनी हकीकत को समझने के लिए लोगों से संवाद स्थापित करना जरूरी है, इसमें हिंदी भाषा कारगर है। सत्य व्यास ने विद्यार्थियों को हिंदी के शब्दों से दोस्ती करने और बोली में नयापन लाने की बात कही। वहीं, पंकज मित्र ने हिंदी को आत्मीय भाषा बताया, कहा कि प्रबन्धन के छात्र मानव संसाधन को समझने और विभिन्न पेशे के लोगो से काम लेने के लिए हिंदी भाषा को अपनी ढाल बना सकते हैं।

वक्ताओ ने विद्यार्थियो को लेखनी के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया। कहा कि लिखने के लिए भाषा पर पकड़ बनाना जरूरी है। वक्ताओं ने कथा-कहानी लिखने के लिए पहले अपनी रचना से कहानी का अंत तय करने और उसे डायरी के अंत में लिखने की बात कही, इसके बाद पहले पन्ने पर लौट कहानी को नये स्वरुप में पिरोने की कोशिश करने की बात की। इससे अच्छी रचना को आकार देने में कारगर सिद्ध होंगे। राष्ट्रीय हिंदी दिवस के मौके पैर संस्थान के लर्निंग रिसोर्स सेंटर (लाइब्रेरी) में हिंदी पुस्तकों की एक विशेष प्रदर्शनी लगायी गयी। इसमें हिंदी साहित्य के विभिन्न प्रकाशकों की पुस्तकों से विद्यार्थी रूबरू हुए। कार्यक्रम में दूसरे सत्र में हिंदी पखवाड़ा के तहत आयोजित कविता पाठ प्रतियोगिता का संचालन हुआ। इसमें संस्थान के कर्मियों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने हिंदी के स्वरुप, देश की भाषा हिंदी हम हिंदुस्तानी, हिंदी भाषा का भाव जैसी स्वरचित कविता पाठ की।

प्रातः नागपुरी 15.09.2025